**क्रांति समय**
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
# क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

**क्रांति समय**
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 282, मंगलवार, 06 नवम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### बद्रीनाथ में फंसे ओडिशा के 42 तीर्थयात्री

**भुवनेश्वर।** संयुक्त आयुक्त (राहत) पी आर महापात्रा ने बताया कि जिले के भंजनगर इलाके के तीर्थयात्री तीर्थयात्रियों के लिए बनाए गए एक आश्रय गृह में फंसे हुए हैं। तीर्थयात्री उस समय फंस गए, जब वे भारी बर्फबारी के कारण बद्रीनाथ मंदिर से लौट रहे थे। महापात्रा ने बताया कि उत्तराखंड सरकार को तीर्थयात्रियों की स्थिति के बारे में सूचना दी गई है और उनसे आवश्यक सहयोग मुहैया कराने का अनुरोध किया गया है। महापात्रा ने बताया, ''''एक तीर्थयात्री से फोन पर पता चला है कि वे शनिवार रात से ही बिना भोजन के हैं और बिजली नहीं होने के कारण वे समस्याओं का सामना कर रहे हैं।'' उत्तराखंड में चमोली जिले के क्लेक्टर को लिखे एक पत्र में संयुक्त आयुक्त ने कहा है, ''''ऐसे में उन्हें आवश्यक सहयोग देने और उनकी सुरक्षित घर वापसी का प्रबंध कराने का अनुरोध है।''

### अपराध न्याय पण्राली को बदलने पर विचार

**नई दिल्ली।** अपराध न्याय पण्राली में सुधार करने के उद्देश्य से सरकार जांच और अभियोजन के विभागों को अलग-अलग करने सहित कई प्रस्तावों पर विचार कर रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार गृह मंत्रालय ने इस संबंध में राज्य सरकारों से राय-मशविरा की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। अगर राज्यों के साथ सहमति बन गयी तो पुलिस का जांच करने का विभाग और अभियोजन का विभाग अलग-अलग हो जाएगा। विचार-विमर्श में राज्यों में अभियोजन विभाग के मुखिया के रूप में महानिदेशक स्तर के अधिकारी की नियुक्ति की संभावना भी टटोली जा रही है। गवाहों को अदालत में तलब करने में एसएमएस और ई-सम्मन देने के बारे में भी विचार किया जा रहा है। अपराध में पीड़ित पक्ष को भी तहकीकात की प्रगति के बारे में भी एसएमएस से जानकारी दिये जाने का प्रस्ताव विचाराधीन है। गंभीर एवं घृणित अपराधों के मामले में त्वरित एवं प्राथमिकता से मुकदमा निपटाने की व्यवस्था कायम करके जनता में अपराध न्याय पण्राली के प्रति विश्वसनीयता बढ़ाने के बारे में सोचा जा रहा है।

### वायु प्रदूषण से लड़ने को स्मॉग टावर बनाया गया

**नई दिल्ली।** वायु प्रदूषण से जूझ रही दिल्ली की एक स्टार्टअप कंपनी ने 40 फुट लंबा ऐसा प्यूरीफायर बनाया है जो उसके तीन किलोमीटर के दायरे में रह रहे 75,000 लोगों को स्वच्छ हवा दे सकता है। क्युरीन सिस्टम्स के सह संस्थापक पवनीतसिंह पुरी ने बताया कि कंपनी को हाल ही में दुनिया के सबसे लंबे और साथ ही सबसे मजबूत प्यूरीफायर के लिए पेटेंट मिला है।

*बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर में रविवार को विश्व शांति के लिए विशेष प्रार्थना करते वियतनाम से आए बौद्ध श्रद्धालु।*

## अमानतुल्ला खान बोले, मैं नहीं रोकता तो केजरीवाल पर हमला कर सकते थे मनोज तिवारी

**नई दिल्ली।** सिग्नेचर ब्रिज के उद्घाटन समारोह में भाजपा इकाई प्रमुख मनोज तिवारी और आप विधायक अमानतुल्ला खान की झड़प पर अब खान ने सफाई दी है। बीतचीत में उन्होंने कहा कि, मनोज तिवारी को उद्घाटन समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया था। उसके बावजूद वो अपने सपोर्टर्स को लेकर वहां पहुंच गए। उन्हें वहां पोस्टर फाड़े, काले झंडे दिखाए और हमारे कार्यकर्ताओं पर हमला किया। जब अरविंद केजरीवाल वहां पहुंचे तो मनोज तिवारी ने स्टेज के पास आ गए और पुलिस ने उन्हें नहीं रोका। जब उन्होंने स्टेज पर चढ़ने की कोशिश तो मैंने उन्हें रोका लेकिन मैंने उन्हें धक्का नहीं मारा। अमानतुल्ला ने कहा, ये एक स्वभाविक रिएक्शन था। अगर वो स्टेस पर चढ़ने में सफल हो जाते तो वो सीएम अरविंद केजरीवाल और डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के साथ बदसलूकी कर सकते थे। उनपर हमला कर सकते थे।

**मनोज तिवारी ने लगाया गोली मारने की धमकी का आरोप**

इस पूरे मामले के बाद मनोज तिवारी ने आरोप लगाया कि उन्हें आप के एक विधायक ने गोली मारने की धमकी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पुलिसकर्मियों भी उनके साथ गलत व्यवहार किया। तिवारी ने कहा, मेरे साथ धक्का-मुक्की करने वाले पुलिसकर्मियों की पहचान हो गई है। इस क्षेत्र के अतिरिक्त डीसीपी-1 कह रहे हैं कि कुछ 'आप' कार्यकर्ता घायल हो गए। मैं उन्हें महज चार दिन में दिखाऊंगा कि पुलिस ने क्या किया है।

**आम जनता के लिए खुला सिग्नेचर ब्रिज**

पूर्वी और उत्तरी दिल्ली को जोड़ने वाले सिग्नेचर ब्रिज का उद्घाटन सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार शाम किया। यह पुल आम जनता के लिए आज सुबह से खोल दिया गया है।

## दिवाली से पहले बिगड़ी दिल्ली में हवा की हालत, धुंध की चादर में लिपटा शहर

**एजेंसी,नई दिल्ली।** सुबह धुंध की चादर में लिपटी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर नीचे गिरकर ''बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया है। पड़ोसी राज्यों में भारी मात्रा में पराली जलाने से दिल्ली की आबोहवा बुरी तरह बिगड़ गई है। केंद्र की वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान तथा अनुसंधान प्रणाली (सफर) के एक अधिकारी ने बताया कि मध्यम गति की हवा चलने के बावजूद पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के चलते दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है। उन्होंने कहा, ''अनुमान के मुताबिक पराली जलाने से दिल्ली में काफी प्रदूषण हुआ है। पराली जलाने से प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है और मध्यम गति की हवा चलने के बावजूद यह बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया है। एक अन्य अधिकारी ने कहा, ''राष्ट्रीय राजधानी के प्रदूषण में पराली जलाने का सोमवार को 24 प्रतिशत योगदान रहने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में धुंध की मोटी चादर छा गई जिससे दृश्यता बेहद कम हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 345 दर्ज किया गया जो 'बेहद खराब श्रेणी में आता है। रविवार को वायु गुणवत्ता 171 दर्ज की गई जो मध्यम श्रेणी में आता है और तीन सप्ताह में प्रदूषण का सबसे कम स्तर था।

### सदर बाजार, सब्जी मंडी, बुराड़ी इलाके से कुल साढ़े छह सौ किलो पटाखे जब्त

## उत्तरी दिल्ली में भारी मात्रा में पटाखे बरामद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद राजधानी के अलग-अलग इलाकों बड़े स्तर पर पटाखे स्टाक किए जा रहे हैं बल्कि, बेचे भी जा रहे हैं। पुलिस की उनपर कड़ी नजर है। इसी कड़ी में उत्तरी जिला पुलिस ने शनिवार को सदर बाजार, सब्जी मंडी और बुराड़ी में तीन अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की। वहां से करीब साढ़े छह सौ किलो पटाखे जब्त किए। जबकि पटाखे के अवैध भंडारण और बेचने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के खिलाफ एक्सप्लोसिव एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उत्तरी जिला की डीसीपी नुपुर प्रसाद ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक राजधानी में ग्रीन के अलावा अन्य किसी भी तरह के पटाखों के खरीद और बिक्री अवैध है। इस संबंध में पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। बाजारों में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश संबंधी पंफलेट चिपका दिए गए हैं। वहीं, पटाखों के प्रयोग न करने को लेकर आरडब्ल्यूए, मार्केट एसोसिएशन और स्कूलों में लोगों को बच्चों को बताया जा हा है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि तीन नवंबर को सदर बाजार इलाके में पुलिस की टीम पेट्रोलिंग कर रही थी। तभी पता चला कि कुतुब रोड पार्किंग एरिया स्थित एक दुकान में बड़ी मात्रा में अवैध पटाखों का भंडारण किया गया है।

जिसके बाद वहां छापा मारकर 625 सौ किलो अवैध पटाखे जब्त किए गए। यह दुकान रविंदर नाम के व्यक्ति की थी। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उधर सब्जी मंडी और बुराड़ी इलाके में भी पुलिस ने दो स्थान पर छापा मारकर वहां से 11 और आठ किलो पटाखे बरामद किए। अवैध पटाखे बेचने वाले दोनों दुकानदारों को भी गिरफ्तार किया गया है।

### »» राष्ट्रीय विचार मंथन कार्यक्रम आयोजित

## असहमति का सम्मान करने की परम्परा का नाम है भारत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** असहमति का सम्मान करने की परम्परा का नाम है भारत। यह परम्परा आज भी अनेक लेखकों -चिंतकों में विकसित हुई दिखती है।

कहने को हमारा समय लोकतांत्रिक है पर असहमति के सम्मान की जगह सिंकुड़ रही है, यह चिंताजनक है। बीसवीं सदी में गांधी असहमति का सम्मान करने और जरूरत पड़ने पर अपने विचार को परिवर्तित करने वाले महान नेता के रूप में आये थे। ये विचार सुप्रसिद्ध कवि अशोक वाजपेयी ने राजधानी कॉलेज में चैतन्य वाद-विवाद समिति द्वारा आयोजित विविद्यालय स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता के उदघाटन के अवसर पर कही।

प्रतियोगिता में आठ राज्यों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

साहित्यकार अशोक वाजपेयी ने कहा कि जब भारत जैसे देश में असहमतियों का सम्मान व उसके प्रति सहिष्णुता का भाव खत्म होने को है। युवाओं के बीच में आयोजित विचार मंथन के माध्यम से वाद विवाद उम्मीद की किरण है। राष्ट्रीय वाद विवाद प्रतियोगिता की संयोजिका डॉ वष गुप्ता द्वारा बताया गया कि प्रतियोगिता में अनेक विविद्यालयों की 37 टीमों ने पक्ष व विपक्ष में अपने विचार रखे।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जामिया मिलिया इस्लामिया, द्वितीय स्थान रामजस कॉलेज और, तृतीय स्थान लेडी श्रीराम कॉलेज की टीम को मिला। सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार अलीगढ़ मुस्लिम विविद्यालय और सर्वश्रेष्ठ प्रश्नकर्ता का पुरस्कार श्यामलाल कॉलेज ने प्राप्त किया।

## सावधान! आपकी Email ID पर ऐसे नजर रख रहे हैं हैकर्स, ऐसे फंसाते हैं जाल म

**नई दिल्ली।** राजधानी में साइबर अपराधियों का नेटवर्क तेजी से फैलता जा रहा है। खासतौर से 'ईमेल फ्रॉड' और 'स्पूफ' का खेल तेजी से बढ़ा रहा है। दिल्ली में 'ईमेल फ्रॉड' और 'स्पूफ' की औसतन हर रोज तीन शिकायतें आ रही हैं और यह सिलसिला पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। ऐसे जाल में फंसाते हैं : ज्यादातर अपराधी फर्जी प्रोफाइल के सहारे सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों से नजदीकी बढ़ाते हैं। फिर जिस देश के शख्स को जाल में फंसाना है उस देश का 'वर्चुअल नंबर' लेते हैं। उसी नंबर से वह पीड़ित से बात करते हैं। विश्वास जीतने के बाद वह किसी बहाने से पीड़ित की ईमेल और नंबर की जानकारी हासिल कर लेते हैं। हैकिंग, फिशिंग, स्पैम और वायरस स्पाईवेयर के सहारे साइबर अपराधी लोगों की गोपनीय जानकारी हासिल कर उन्हें ठगते हैं। ऐसी जानकारियों में बैंक खाता नंबर, डेबिट/ क्रेडिट कार्ड नंबर, ई-कॉमर्स साइट का पासवर्ड शामिल होते हैं।

## कोलकाता के पार्क स्ट्रीट की आठ मंजिला व्यावसायिक इमारत में लगी आग

**हिटी,कोलकाता।** कोलकाता के व्यस्ततम पार्क स्ट्रीट इलाके में सुबह करीब ग्यारह बजे एक आठ मंजिला इमारत में आग लग गई। जिसके बाद अपीजेय हाउस में लगी आग को बुझाने के लिए दमकल की दस गाड़ियां लगी हुई हैं। सिटी मेयर और फायर सर्विस मिनिस्टर सोवन चटोपाध्याय ने इस घटना में किसी तरह के हताहत न होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा- घटना के कारण का पता लगाया जाना अभी बाकी है।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया- अन्य इमारतों में आग न फैलें इसके लिए स्थानीय लोगों ने वहां पर आग बुझा रहे दमकलकर्मियों की पूरी मदद की। आग बुझाने वाले अब इस बात को जानने की कोशिश में लगे हैं कि कहीं कोई इमारत के अंदर तो नहीं फंसा है।

एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, सुबह करीब ग्यारह बजे अपीजेय बिल्डिंग के सर्वर रूम में आग लगी। जिसके फौरन बाद इमारत की सभी मंजिल से लोगों को खाली करा लिया गया।

# सबरीमाला मंदिर के खुलने से पहले किए गए सुरक्षा के भारी बंदोबस्त

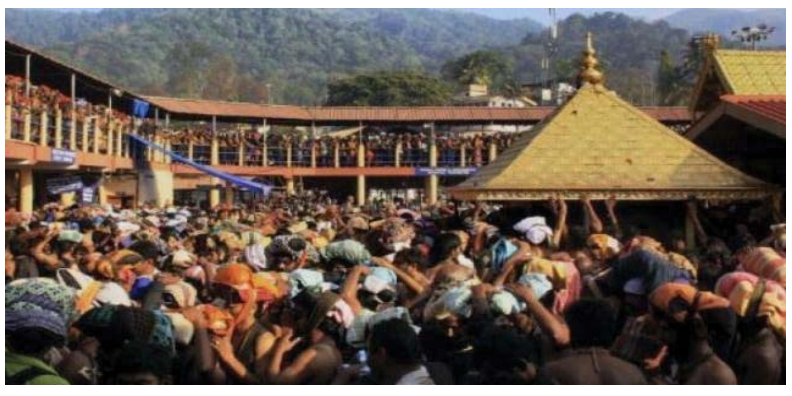

**सबरीमाला, एजेंसियां।** सबरीमाला मंदिर का द्वार आज कड़ी सुरक्षा के बीच शाम पांच बजे विशेष पूजा के लिए खुलेगा। मंदिर श्री चितिरा अट्टा तिरुनाल की पूजा के लिए खुलेगा और अगले दिन रात दस बजे बंद होगा। तांत्री कंडारारू राजीवारूमुख्य पुजारी उन्नीकृष्णन नम्बूदिरी मंदिर के कपाट संयुक्त रूप से खोलेंगे और श्रीकोविल (गर्भगृह) में दीप जलाएंगे।

**किसी ने सुरक्षा नहीं मांगी**

केरल के देवासम मामलों के मंत्री के.सुरेंद्रन ने कहा कि सरकार सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षा मुहैया कराएगी। हालांकि, अबतक प्रतिबंधित उम्र की किसी भी महिला ने सबरीमाला दर्शन के लिए पुलिस से सुरक्षा के लिए संपर्क नहीं किया है। आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु के श्रद्धालु पहले ही इरुमेली पहुंच गए हैं।

**राजपरिवार दुखी**

मंदिर के संरक्षक पंडालम राज परिवार के सदस्यों ने सबरीमाला में भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती पर नाराजगी जताई है। राजपरिवार के करीबी ने सुरक्षाबलों की तैनाती दुखादायी बताया है। अफ्सोस की बात है कि पुलिस की मौजूदगी में भक्त दर्शन करेंगे।

**'महिला पत्रकार नहीं आएं'**

सभी उम्र की महिलाओं को सबरीमाला में प्रवेश के फैसले का विरोध कर रहे संगठनों ने महिला पत्रकारों को रिपोर्टिंग के लिए नहीं आने की अपील की है। विश्व हिंदू परिषद और हिंदू ऐक्यवेदी समेत दक्षिणपंथी संगठनों के संयुक्त मंच सबरीमला कर्म समिति ने यह अपील जारी की है। संपादकों को लिखे पत्र में समिति ने कहा कि इस आयु वर्ग की महिलाओं के अपने काम के सिलसिले में मंदिर में प्रवेश करने से स्थिति और बिगड़ सकती है। इस पत्र की एक प्रति मीडिया को भी जारी की गई है। इसके साथ ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रखने की बात की गई है। इस बीच केरल के पुलिस महानिदेशक लोकनाथ बेहरा ने स्पष्ट किया है कि पत्रकारों पर किसी भी तरह की कोई रोक नहीं है।

**17 नवंबर से त्रिमासिक पूजा शुरू होगी**

सबरीमाला मंदिर आज संक्षिप्त पूजा के लिए खोला जाएगा। लेकिन प्रशासन की मुख्य चिंता इसी महीने की 17 तारीख से शुरू होने वाली वार्षिक तीर्थयात्रा दर्शन है। यह यात्रा तीन महीने चलती है और दो से तीन करोड़ तक दर्शनार्थी आते हैं।

**मंदिर के आसपास धारा-144 लागू**

मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं को प्रवेश देने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरोध में पिछली बार हुए प्रदर्शनों को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। पुलिस ने बताया कि पूरे इलाके में निषेधाज्ञा लागू की गई है और चार से अधिक लोगों के एक साथ एकत्र होने पर रोक लगा दी गई है।
अधिकारियों ने बताया कि सुचारू रूप से दर्शन के लिए 2300 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इनमें 20 सदस्यीय कमांडो टीम और 100 महिलाएं शामिल हैं। हालांकि, इस तरह की किलेबंदी का पूर्ववर्ती शाही परिवार पंडालम, भाजपा और कांग्रेस ने विरोध किया है।

### फिर खुले सबरीमाला मंदिर के द्वार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भगवान अयप्पा मंदिर के सोमवार शाम को मासिक पूजा के लिए खुलने के मद्देनजर सबरीमला में और उसके आसपास चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी मौजूद हैं। मंदिर में माहवारी आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश को मंजूरी देने के उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद सबरीमला में पिछले महीने प्रदर्शन हुए थे। रविवार सुबह से ही एरुमेली पहुंच चुके श्रद्धालुओं ने पंबा और सन्निधानम ना जाने देने के खिलाफ सोमवार सुबह प्रदर्शन किया।

*मनाली (हिमाचल प्रदेश) में रविवार को बर्फबारी के बीच एक चोटी सेल्फी लेते पर्यटक।*

संपादकीय

## जनमत संग्रह

प्रमुख जनरल विपिन रावत ने सरकार को आगाह करते हुए कहा है कि पंजाब में फिर से उग्रवाद को जीवित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अगर इसके खिलाफ जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो काफी देर हो जाएगी। सेना प्रमुख की यह चिंता आकस्मिक नहीं है, बल्कि सुचिंतित है। इसलिए उनकी चिंता को हल्के में नहीं लिया जा सकता। चिंता का असल कारण यह है कि इसके पीछे बाहरी ताकते हैं, जो सीमावर्ती राज्य पंजाब को एक बार फिर सुलगाना चाहती हैं। इसमें बाहरी तत्वों की संलिप्तता परिस्थिति को और जटिल बना देती है, जो पर्दे के पीछे रहकर अपना खेल खेलते रहते हैं। पिछले कुछ वर्षो में जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, उन पर दृष्टि डालने पर इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। कुछ पश्चिमी देशों में खालिस्तानी ताकतों द्वारा जनमत संग्रह के लिए 2020 अभियान चलाया जा रहा है। यही नहीं, पंजाब की शांति में खलल डालने के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर ही हिंसक वारदात को अंजाम देने की खबर भी आती रही है। इसका मकसद पंजाब के सांप्रदायिक सौहार्द को खराब करना है। लेकिन क्या ऐसी ताकतें अपने इरादे में सफल हो पाएंगी ? बिल्कुल नहीं। एक बार उग्रवाद की आग में अपना हाथ जला चुका पंजाब उसके दुष्परिणाम को अच्छी तरह जानता है। अस्सी-नब्बे के दशक में इस उग्रवाद के कारण वहां हजारों निदरेष लोग मारे गए थे। इससे पंजाब का सामाजिक और आर्थिक जीवन बुरी तरह तबाह हो गया था। सरकार और समाज के सहयोग से बहुत मुश्किल से इस पर काबू पाया गया था। इसलिए पंजाब का समाज उस दौर की वापसी कतई नहीं चाहेगा। आज की हकीकत भी यही है। आज भी पंजाब में खालिस्तानी तत्व हाशिये पर हैं। वहां का समाज इन्हें तवज्जो नहीं देता। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि जनरल रावत की चेतावनी को अनदेखी कर दी जाए। उग्रवाद की नई प्रवृत्तियों के मद्देनजर सरकार और उसकी सारी सुरक्षा एजेंसियों को इसके प्रति सतर्क रहना होगा। लेकिन केवल सुरक्षा बलों के भरोसे उग्रवाद पर काबू नहीं पाया जा सकता। समाज का समर्थन जरूरी होता है, ताकि उग्रवाद के खिलाफ एक वैचारिक आधार तैयार किया जा सके। अस्सी-नब्बे के दशक में पंजाब में उग्रवाद के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों के साथ समाज भी खड़ा था। दोनों के तालमेल के बिना उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई नहीं जीती जा सकती।

## ऑनलाइन पोर्टल लांच

सबसे अधिक रोजगार प्रदान करने वाला एमएसएमई क्षेत्र मोदी सरकार के लिए शुरू से ही प्राथमिकता वाला क्षेत्र रहा है और खासकर, 2018 के आम बजट में इसे खासी तवज्जो दी गई। दीपावली के अवसर पर 12 नये ऐतिहासिक कदमों की घोषणा करते हुए लाखों उद्यमियों एवं कर्मचारियों से युक्त जीएसटी पंजीकृत एमएसएमई को ऋण के मामले में और कई सुविधाएं देते हुए सरकार ने एक ऑनलाइन पोर्टल लांच किया है, जिसमें दावा किया गया है कि एमएसएमई क्षेत्र को अब एक करोड़ रुपये तक का ऋण केवल 59 मिनटों अर्थात एक घंटे से भी कम समय में प्राप्त हो जाएगा। एमएसएमई सिडबी एवं पीएसबी से भी ऋण प्राप्त करने में सक्षम होंगे। यह क्षेत्र लंबे समय तक इंस्पेक्टर राज के तले दबा रहा है। मोदी सरकार आरंभ से ही इस क्षेत्र को इसकी दासता से मुक्त कराने की बात करती रही है। इस सेक्टर से संबंधित फैक्टरियों में जांच की अनुमति केवल कंप्यूटराइज्ड औचक आवंटन के जरिये ही दी जाएगी और इंस्पेक्टरों को 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट अपलोड करना होगा। सरकार ने श्रम कानूनों में और ढील दिए जाने, पर्यावरण नियमों के सरल अनुपालन और लघु एवं मझोले उद्यमों के लिए कंपनी कानूनों में बदलाव की भी घोषणा की। जीएसटी पंजीकृत एमएसएमई 1 करोड़ रु पये तक के नये ऋणों पर 2 प्रतिशत तक की रियायत प्राप्त कर सकेंगे, एमएसएमई द्वारा किए जाने वाले निर्यात-पूर्व एवं निर्यात-पश्चात ऋण पर ब्याज छूट को भी 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। 59 मिनटों में एक करोड़ रुपये तक के ऋण की मंजूरी वाले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की प्रमुख विशेषताएं ये हैं कि यह वर्तमान बैंकिंग प्रक्रियाओं के पूरी तरह अनुकूल है, इसमें एमएसएमई एक ही बार में कई बैंकों से ऋण के लिए आवेदन कर सकता है, यह सर्वोच्च स्तर की सूचना सुरक्षा से लैस है, जीएसटी, आईटीआर, बैंक विवरण, फ्रॉड चेक, ब्यूरो चेक आदि से सुसज्जित होने के कारण ऋण मंजूरी की प्रक्रिया बहुत आसान हो जाती है। इसमें कोई शक नहीं कि आसान ब्याज दरों एवं सरल तरीके से त्वरित ऋण प्राप्त होने से एमएसएमई क्षेत्र को काफी लाभ होगा लेकिन इस दावे को अमली जामा पहनाना भी क्या उतना ही आसान होगा, यह देखना बाकी है।

## सत्संग

### स्वर्ग

मनुष्य जीवन में सब से मधुर यदि कोई वस्तु है, तो वह है-स्नेह, सद्भाव, आत्मीयता। एक दूसरे के प्रति जहां इस प्रकार की भावना रखी जाती है, वहां स्वर्ग का साक्षात्कार होता है। गरीबी और अभावग्रस्त स्थिति में भी मनुष्य इन तत्वों के होने पर भारी संतोष और शांति का अनुभव करता है। इस तत्व को सुरक्षित रखने के लिए ही आध्यात्मिकता, धार्मिकता एवं आस्तिकता का सारा विधान बना हुआ है। दूसरों के प्रति स्नेह-सद्भाव एवं आत्मीयता बनी रहे एवं बढ़ती रहे, इसके लिए यह आवश्यक है कि मनुष्य दूसरों के शरीर में भी अपनी ही आत्मा को देखे। उनके सुख-दु:ख को भी अपना ही सुख-दु:ख माने। जिस प्रकार अपने बाल-बच्चे एवं परिजन अपने लगते हैं, वैसे ही और लोग भी अपने लगें, तो उनसे सहज ही स्नेह उत्पन्न होगा। जिसके प्रति सच्चा स्नेह होता है, उसके साथ कुछ नेकी-भलाई-उदारता का परिचय देने की इच्छा स्वभावत: ही होती है। नवजात शिशु के पेट में कोई गड़बड़ी उत्पन्न हो जाए, इस भय से माता अपनी जिह्वा इंद्रिय पर पूरा काबू रखकर अपना आहार चलाती है। अपने स्वाद की उपेक्षा करके वह बालक के स्वार्थ का ही ध्यान रखती है। यही मातृ बुद्धि जब सारे समाज के प्रति होने लगती है, तो मनुष्य स्वभावत: संयमी और संतोषी हो जाता है। माता अपने भोजन, वस्त्र, सुविधा और साधनों में कमी करके भी जिस प्रकार अपने प्यारे बालकों के लिए खुशी-खुशी अधिकाधिक साधन-सामग्री जुटाती है और उस प्रयत्न में उसे जो त्याग करना पड़ता है, अभाव भोगना पड़ता है, उससे खिन्न होना तो दूर-उलटे अधिक प्रसन्नता अनुभव करती है। यह त्याग का, दान का, परमार्थ का, पुण्य का, उदारता का, सेवा का सिद्धांत है। एक दूसरे के प्रति प्यार करे, एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं सद्दयता का व्यवहार करे, न्यायोचित मार्ग से जितनी साधन-सामग्री जुट सके, उसी में संतोष करे, तो उसके लिए इस संसार में मानसिक उलझनों जैसी कोई समस्या शेष नहीं रह जाती। यदि मन प्रसन्न रहे, उद्वेगों से छुटकारा प्राप्त किया जा सके, तो जीवन-यापन बहुत ही सरल, सुविधाजनक एवं शांतिपूर्ण हो सकता है। आज लोगों के सामने अनेक समस्याएं मौजूद हैं। उनके सुलझाने के लिए अनेक प्रकार के प्रयत्न किए जाते रहे हैं, पर गुत्थी सुलझने को कौन कहे, उलटी उलझती जाती है। स्वास्य की समस्या सामने है।

# राजनीतिक संकट निश्चय ही चिंताजनक

**सिरीसेना ने यूएनपी पर उनकी और रक्षा मंत्रालय के पूर्व शीर्ष अधिकारी गोताभया राजपक्षे की हत्या की कथित साजिश को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया। अचानक कृषि मंत्री और यूपीएफए के महासचिव महिंद्रा अमरवीरा ने कह दिया कि हमने गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया है और फैसले से संसद को अगवत करा दिया गया है। किंतु सिरीसेना ने विक्रमसिंघे को बर्खास्त कर जिस तरह पूर्व राष्ट्रपति महेन्द्रा राजपक्षे को प्रधानमंत्री नियुक्त किया उसकी संभावना किसी ने व्यक्त नहीं की थी। राजपक्षे और सिरीसेना के बीच जिस तरह छत्तीस के रिश्ते थे उसमें यह अकल्पनीय था। सिरीसेना राजपक्षे की सरकार में स्वास्य मंत्री थे। उनसे विद्रोह करके उन्होंने मोर्चा बनाया और राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें पराजित किया। प्रश्न है कि अब होगा क्या ? 2015 में भारत के प्रयासों से विक्रमसिंघे एवं सिरीसेना के बीच गठबंधन हुआ। विक्रमसिंघे की यूएनपी के समर्थन से सिरीसेना राष्ट्रपति चुनाव जीते।**

सतीश पेडणोकर

राजनीतिक संकट निश्चय ही चिंताजनक है। पिछले कुछ महीनों से राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना एवं प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था। सिरीसेना के राजनीतिक मोर्चे यूनाइटेड पीपुल्स फ्रीडम अलायंस (यूपीएफए) और विक्रमसिंघे की यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) और यूपीएफए के बीच मतभेद खुलकर सामने था। फरवरी में स्थानीय निकाय चुनावों को मीडिया ने सत्तासीन गठबंधन के लिए जनमत संग्रह कहा था। उसमें राजपक्षे की नई पार्टी ने जबरदस्त जीत हासिल की। गठबंधन के दोनों सहयोगी इसके लिए एक-दूसरे को आरोपित करने लगे थे। सिरीसेना और विक्रमसिंघे के बीच सुरक्षा, आर्थिक नीतियों और सरकार के रोजमर्रा के प्रशासन को लेकर तो खींचतान चल ही रही थी। सिरीसेना ने यूएनपी पर उनकी और रक्षा मंत्रालय के पूर्व शीर्ष अधिकारी गोताभया राजपक्षे की हत्या की कथित साजिश को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया। अचानक कृषि मंत्री और यूपीएफए के महासचिव महिंद्रा अमरवीरा ने कह दिया कि हमने गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया है और फैसले से संसद को अगवत करा दिया गया है। किंतु सिरीसेना ने विक्रमसिंघे को बर्खास्त कर जिस तरह पूर्व राष्ट्रपति महेन्द्रा राजपक्षे को प्रधानमंत्री नियुक्त किया उसकी संभावना किसी ने व्यक्त नहीं की थी। राजपक्षे और सिरीसेना के बीच जिस तरह छत्तीस के रिश्ते थे उसमें यह अकल्पनीय था।

सिरीसेना राजपक्षे की सरकार में स्वास्य मंत्री थे। उनसे विद्रोह करके उन्होंने मोर्चा बनाया और राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें पराजित किया। प्रश्न है कि अब होगा क्या ? 2015 में भारत के प्रयासों से विक्रमसिंघे एवं सिरीसेना के बीच गठबंधन हुआ। विक्रमसिंघे की यूएनपी के समर्थन से सिरीसेना राष्ट्रपति चुनाव जीते। महेन्द्रा राजपक्षे लिट्टे को मटियामेट करके हीरो बनकर उभरे थे। यद्यपि भारत ने तमिल क्षेत्र के पुनर्निमाण एवं उजड़े हुए तमिलों के पुनर्वास में महत्त्वपूर्ण दायित्व हाथों में लिया जिसे आज तक पूरा किया जा रहा है। बावजूद राजपक्षे ने भारत विरोधी रवैया अपना लिया था। उन्होंने सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हंबनटोटा बंदरगाह चीन को कई वर्षो की लीज पर दे दिया।

चीन को राजधानी कोलंबो के बंदरगाह को बनाने और चीनी पनडुब्बियों को श्रीलंका के बंदरगाह तक आने की अनुमति दे दी। चीन ने श्रीलंका को भारी कर्ज दिया और आज श्रीलंका चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। इसमें भारत के पास एक ही विकल्प था कि किसी तरह ऐसी सरकार आए, जिसके साथ हमारा मित्रवत संबंध रहे। उसकी परिणति उस गठबंधन के रूप में हुई। श्रीलंका में फिर भारत विरोधी बयान और भाषण शुरू हो गए हैं। संकट आरंभ होने के कुछ ही दिनों पूर्व श्री लंका के बंदरगाह मंत्री महिंदा समरासिंघे ने बयान दिया कि वह भारत को पूर्वी कंटेनर टर्मिनल नहीं सौपेंगे। उनका यह बयान वर्ष 2017 में हुए समझौते का उल्लंघन था। भारत इस पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया व्यक्त करने की जगह कूटनीतिक तरीके से बातचीत कर रहा था। भारत ने खतरे को भांपकर संकट रोकने की कोशिश भी की। सिरीसेना और विक्रमसिंघे से न केवल हमारे राजनियक बल्कि राजनीतिक नेतृत्व भी संवाद कर रहा था। विक्रमसिंघे पिछले 18 अक्टूबर को नई दिल्ली आए थे वह कोई पूर्व निर्धारित दौरा नहीं था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी बातचीत हुई। विक्रमसिंघे की यात्रा के पहले सिरीसेना के हवाले से यह बयान सुर्खियां बनीं थी कि रॉ उनकी हत्या कराना चाहती है। बाद में उसका खंडन किया गया। अब उनका बयान है कि हत्या की साजिश को गंभीरता से न लेने के कारण ही विक्रमसिंघे को हटाना पड़ा है। इसका अर्थ क्या है ? 30-31 अगस्त को नेपाल की राजधानी काठमांडू में बिमस्टेक की बैठक से परे सिरीसेना और मोदी की मुलाकात हुई थी। सितम्बर में राजपक्षे भी नई दिल्ली आए थे। उस समय खबर यह थी कि वह भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी के बुलावे पर आए हैं। स्वामी ने बयान दिया था कि राजपक्षे राष्ट्रवादी हैं और चीन के संदर्भ में उनका विचार बदल गया है। नरेन्द्र मोदी ने मई 2017 में श्रीलंका यात्रा के दौरान राजपक्षे से भी मुलाकात की थी। यह सही कदम था। इसका मतलब हुआ कि भारत ने राजपक्षे से भी संपर्क बनाए रखा है। विक्रमसिंघे ने अपनी बर्खास्तगी और संसद को 16 नवम्बर तक के लिए निलंबित करने को असंवैधानिक बताते हुए स्वीकार नहीं किया है। संसद के स्पीकर कारु जयसूर्या खुलकर रानिल विक्रमसिंघे के पक्ष में आ गए हैं। उन्होंने कहा है कि अगर इसका संविधान के अंदर समाधान नहीं हुआ और सड़कों पर राजनीति उतरी तो खूनखराबा होगा। विक्रमसिंघे भी खूनखराबा की आशंका प्रकट कर रहे हैं। पेट्रोलियम मंत्री और पूर्व क्रिकेटर अर्जुन रणतुंगा की गाड़ी पर राजपक्षे के समर्थकों ने हमला कर दिया। इससे आने वाली तस्वीर का अनुमान लगाया जा सकता है। सदन में बहुमत के लिए 113 सांसद चाहिए। राजपक्षे और सिरीसेना की पार्टी को मिलाकर के वज 95 सीट हैं, जबकि विक्रमसिंघे की यूएनपी के पास 106 सीट है। इस तरह एक विकट राजनीतिक स्थिति है। वहां दो प्रधानमंत्री हैं। प्रश्न है कि अब भारत क्या करे ? भारत ने वर्तमान राजनीतिक संकट पर सधी हुई प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश और करीबी पड़ोसी के तौर पर हम उससे लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक प्रक्रिया का सम्मान करने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत दोस्ताना व्यवहार वाले श्रीलंका के लोगों को विकास कायरे के लिए मदद देना जारी रखेगा। इस आश्वासन के बाद श्रीलंका के किसी बड़े नेता के लिए भारत के खिलाफ बयानबाजी कठिन हो गई है। किंतु भारत इससे आंखें नहीं चुरा सकता। सिरीसेना ने 2015 से भारत समर्थक के रूप में अपनी शुरुआत की। चीन उससे नाराज भी हुआ। मोदी ने स्वयं दो बार श्रीलंका की यात्रा की। दोनों के विदेश मंत्रियों सहित कई मंत्रियों, अधिकारियों की यात्रा होतीं रहीं। परिणामस्वरूप सिरीसेना एकदम भारत विरोधी नहीं बन पाए किंतु वे विश्वसनीय मित्र भी नहीं रहे थे। विक्रमसिंघे ने ऐसा कुछ नहीं किया। हमारे हित में यही है कि वहां अनुकूल सरकार रहे। जो भारत समर्थक पक्ष हैं, वे मदद चाहते हैं। अगर भारत उनके साथ खड़ा हुआ तो दूसरा पक्ष खुलकर विरोध में आ जाएगा। नहीं हुआ तो समर्थकों को निराशा होगी। बावजूद इसके सबसे विवेकशील रास्ता नजर बनाए रखने की ही है।

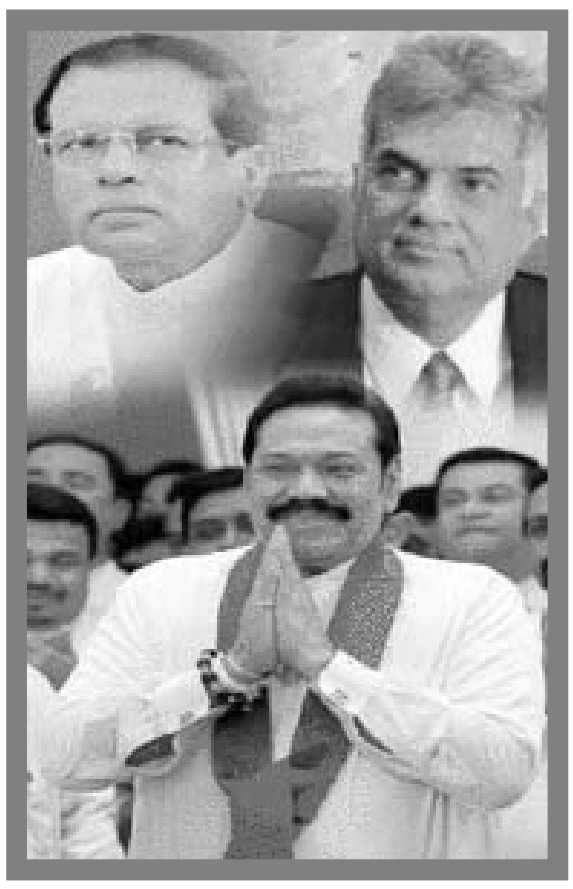

## चलते चलते

### ''स्काईवाक' के उद्घाटन

सत्ताधारी दल की इस बेरुखी से तमतमाए इलाके के भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने स्वयं ही समारोह में जाने की बात कही। पीछे के पन्ने पलटें तो केजरीवाल सरकार ने वही किया

का काम होता है जोड़ना। मगर वह दिल्ली की राजनीति के दो ध्रुवों के सामने बेबस है। गलती दरअसल पुल की नहीं बल्कि पुल के दोनों किनारे खड़े दो सियासी दलों की है, जो अपनी तरफ से एक भी कदम आगे बढ़ाने को तैयार नहीं। विवाद और खींचातानी की वजह कांग्रेस और भाजपा को न्योता नहीं देना है। यमुना नदी पर निर्मित बहुप्रतीक्षित सिग्नेचर ब्रिज के उद्घाटन समारोह में केजरीवाल सरकार ने विपक्ष को निमंत्रित करना उचित नहीं समझा। सत्ताधारी दल की इस बेरुखी से तमतमाए इलाके के भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने स्वयं ही समारोह में जाने की बात कही। पीछे के पन्ने पलटें तो केजरीवाल सरकार ने वही किया जो उनके साथ किया गया। पिछले महीने केंद्र के इशारे पर दिल्ली के सबसे व्यस्तम चौराहे आईटीओ पर ''स्काईवाक' के उद्घाटन से केजरीवाल सरकार को दूर रखा गया। एकाध और समारोह में केजरीवाल को नहीं बुलाया गया। बताते चलें की इस प्रकार के समारोह में स्थानीय सांसद/विधायक को बुलाने की एक अलिखित परम्परा रही है, जिसका पालन सभी दल करते रहे हैं। इस परम्परा में अपवादों को छोड़ दें तो राजनीतिक असहमतियों की छाया कम ही पड़ती है। भाजपा-केंद्र और आप-दिल्ली सरकार की तनातनी से सभी वाकिफ हैं। यह तनातनी सद्भवना की एक और डुबकी है। इस कटुता के लिए जहां भाजपा अरविंद केजरीवाल की आक्रामक राजनीतिक संस्कृति को दोष देती है वहीं, आप केंद्र और भाजपा पर उप राज्यपाल के माध्यम से उसकी सरकार को परेशान करने की तोहमत लगाती है। दोनों प्रकरण न्यूतम राजनीतिक सद्भावना रख पाने में दोनों दलों की असफलता दर्शाते हैं। चुनावी सीजन में यह कटुता कम होने की जगह बढ़ेगी ही, यह सोलह फीसद सच है। देश के लगभग सभी भाग के लोगों की उपस्थिति के कारण दिल्ली के संदेश का अपना अलग राजनीतिक महत्त्व होता है। मगर दिल्ली हो या कोई अन्य प्रदेश, अगर राजनीतिक दलों में कटुता बढ़ती है तो बहुत स्पष्ट न होते हुए भी इसका प्रभाव राज्य पर परोक्ष रूप से पड़ता है। सकारात्मक विपक्ष की भूमिका गौण हो जाती है। बहस की जगह सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप होता है। नतीजतन संवाद का स्पेस नहीं रह जाता है। एक वक्त ऐसा भी था जब जनसंघ और सीपीआई ने मिलकर दिल्ली में सरकार बनाई थी। सियासी दल इससे थोड़ा सबक तो ले ही सकते हैं।

## फोटोग्राफी...

*अहमदाबाद में रविवार को एक सामूहिक विवाह समारोह के दौरान मेहंदी रची हथेलियों को दिखातीं दुल्हनें।*

## राजनीतिक घमासान

राजनीति करने में माहिर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन के भीतर चल रहे राजनीतिक घमासान की पहली बाजी अपने हाथ कर ली है। गठबंधन में बड़े भाई की स्वीकार्यता के साथ बिहार का चुनावी चेहरा बने नीतीश ने एक बार फिर भाजपा की निर्भरता को उजागर कर यह साबित कर दिया है कि फिलहाल राज्य में जो भी गठबंधन बनेगा उसका नेतृत्व जनता दल (यू) के हाथ ही रहेगा। गत लोकसभा चुनाव में 38 सीटों पर चुनाव लड़ कर महज दो सीटों पर कब्जा जमाने वाली जनता दल (यू) के हाथ उस भाजपा ने कमान सौंपी है, जिसे वर्ष 2014 के लोक सभा चुनाव में खुद 30 सीटों पर लड़कर 22 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। 2014 के लोक सभा चुनाव में भाजपा की जीत के मायने चाहे जो हों, मगर भाजपा के रणनीतिकार आगामी लोक सभा चुनाव में जीत के लक्ष्य का भेदी अगर नीतीश को मानते हैं तो इसकी कई वजहें भी है। प्रदेश भाजपा द्वारा नेतृत्व का कोई सर्वमान्य चेहरा न गढ़ पाना पार्टी की पहली ऐसी मजबूरी बनी, जहां नीतीश की निर्भरता सर्वथा भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के लिए भी स्वीकार्य हुई। दरअसल, एनडीए गठबंधन की राजनीति के लगभग डेढ़ दशक बाद भी प्रदेश भाजपा के नामचीन नेताओं का चेहरा जाति विशेष के चेहरे से मुक्त होता नजर नहीं आया। ऐसे में भाजपा नेतृत्व को फिलहाल अपने किसी भी चेहरे के पीछे भागने पर परम्परागत वोटों का बिखराव नजर आय। ऐसे में भाजपा के पास वोटों के बिखराव को रोकने का एकमात्र भरोसेमंद चेहरा नीतीश कुमार। भाजपा नेतृत्व की दूसरी मजबूरी यह भी है कि नीतीश की पहचान एक ऐसे नेता के रूप में भी बनी है, जिनकी स्वीकार्यता विपक्ष की राजनीति कर रहे कुछप्रमुख दलों के भीतर भी है। और इस जरूरत को भाजपा नेतृत्व के लिए समझना भी एक मजबूरी है। हालात ऐसे नहीं है कि वर्ष 2014 के हालात का सुख भाजपा उठा सके। ऐसे में देश की कुर्सी पर काबिज होने की राह में भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए को कुछ सीटें कम भी मिले तो वह ''जुगाड़' टेक्नोलॉजी से पूरा किया जा सके। और यह गुण देश की नजरों में विकास पुरुष बने नीतीश कुमार में है। भाजपा के रणनीतिकारों की नजर गत लोक सभा चुनाव में अलग लड़ने वाले जदयू के प्रदर्शन भी टिकी है। तब एनडीए से अलग होने पर जदयू को लगभग 16 प्रतिशत वोट, भाजपा को 29.40 प्रतिशत मत मिले थे और लोजपा को 6.40 व रालोसपा को लगभग 3 प्रतिशत यानी एनडीए के खाते में लगभग 39 प्रतिशत वोट हासिल होते हैं। ऐसे में जदयू के 16 प्रतिशत मत प्रतिशत को जोड़ते हैं तो यह 55 प्रतिशत जा पहुंचता है। जाहिर है चुनावी दौड़ में हमेशा एक और एक ग्यारह नहीं होता मगर गठबंधन की मजबूती वोटों के बढ़ते प्रतिशत जरूर हासिल हो जाती है। खास कर नीतीश की पकड़ झारखंड व उत्तर प्रदेश के सटे लोकसभा के साथ उन बार्डर क्षेत्रों से हैं, साथ ही झारखंड के ऐसे दलों से भी रिश्ता है जिनके संबंध फिलहाल भाजपा से ठीक नहीं है। ऐसे में भाजपा झारखंड व उत्तर प्रदेश के लोक सभा चुनाव में भी नीतीश के सामर्य को भी आजमा कर एनडीए सीटों के क्राइसिस के दौरान प्रॉब्लम शूटर के रूप में आजमाना चाहती है। एक अन्य मगर महत्त्वपूर्ण वजह इसी वर्ष पांच राज्यों में होने वाले चुनाव भी बन गए हैं। खास कर मध्यप्रदेश ,राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की स्थिति बेहतर नहीं दिख रही है। इस कारण राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में सीटे कम भी आती हैं तो उसकी भरपाई नीतीश के सहयोग से अन्य राज्यों से की जा सके।

## आज का इतिहास

- **1534:** सिखों के चौथे गुरु रामदास का जन्म।
- **1642:** ब्रेटनफेल्ड साकेन के दूसरे युद्ध में स्वीडन ने रोम के शासक फर्डिनैंड तृतीय को हराया।
- **1813:** लीपजिंग के युद्ध के बाद जर्मनी में फूलदा समझौते पर हस्ताक्षर हुए।
- **1835:** अमेरिका के मूल निवासियों के विभिन्न गुटों के बीच फ्लोरिडा के ओसिओला में दूसरा सेमीनोले युद्ध शुरू हुआ,यह लडाई फ्लोरिडा युद्ध के नाम से भी मशहूर है।
- **1841:** अकबर खान ने अफगानिस्तान में शाह शुजा के खिलाफ विद्रोह किया,जिसमें उसे सफलता मिली।
- **1852:** फ्रेंकलिन पियर्स अमेरिका के राष्ट्रपति बने।
- **1914:** रुस ने तुर्की के खिलाफ युद्ध घोषित किया।
- **1920:** अमेरिका में पहला रेडियो प्रसारण पिट्सबर्ग से शुरू हुआ।
- **1948:** हैरी एस ट्रूमैन अमेरिका के 33वें राष्ट्रपति बने।
- **1963:** दक्षिण वियतनाम के राष्ट्रपति नागो डिन्ह डिएम की हत्या की गई।

## जानकारी

# फोर्ड की फेसलिफ्ट वर्जन का इन गाड़ियों से होगा मुकाबला

अमेरिका की कार निर्माता कंपनी फोर्ड अपनी फिगो एस्पायर कॉम्पैक्ट सेडान का फेसलिफ्ट वर्जन अगले महीने लॉन्च करेगी। एस्पायर फेसलिफ्ट कई बार टेस्टिंग के दौरान नजर आई है और अब इसकी तस्वीरें ऑनलाइन लीक हो गई हैं। इन तस्वीरों के मुताबिक कार में कई तरह के डिजाइन के साथ फ्रीस्टाइल क्रॉस-हैच का लुक भी दिया है जिसे अप्रैल महीने में लॉन्च किया गया था। फोर्ड के फेसलिफ्ट वर्जन का भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी की डिजायर, हुंडई की एक्सेंट, और फॉक्सवैगन की एमियो से मुकाबला होगा।फोर्ड एस्पायर के केबिन में नए डैशबोर्ड के साथ 6.5 इंच टचस्क्रीन डिस्प्ले के साथ फोर्ड का सिंक 3 इन्फोटेनमेंट सिस्टम दिया जाएगा, जिसमें एप्पल कारप्ले और एंड्रायड ऑटो वाले फीचर्स दिए जा सकते हैं। तस्वीरों के मुताबिक फोर्ड अपनी नई एस्पायर में पुश-स्टार्ट बटन, फ्रंट में दो स्क्चपोर्ट्स, स्टीयरिंग-माउंटेड ऑडियो कंट्रोल्स और एक ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल सिस्टम दिया गया है। हालांकि, कार के रियर में एसी वेंट शामिल नहीं है। कार के टॉप वेरिएंट टाइटेनियम प्लस ट्रिम में 6 एयरबैग्स और एबीएस के साथ ईबीडी दिया जाएगा। कंपनी नए मॉडल में नया 96 एचपी वाला 1.2 लीटर, थ्री-सिलेंडर पेट्रोल इंजन देगी जो फ्रीस्टाइल में दिया गया है। यह मोटर 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से लैस होगा, लेकिन यह मौजूदा 6-स्पीड डुअल-क्लस ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन को रिप्लेस कर सकता है। इसके अलावा कार में 100 एचपी वाला 1.5 लीटर डीजल इंजन बरकरार रखा जाएगा।

## मर्सिडीज-बेंज का सीएलए स्पोर्ट्स एडिशन लॉन्च

मर्सिडीज-बेंज ने भारतीय बाजार में स्पेशल एडिशन सीएलए अर्बन स्पोर्ट्स को पेट्रोल और डीजल वेरिएंट में उपलब्ध है। सीएलए 200 की कीमत 35.99 लाख रुपए और डीजल वेरिएंट सीएलए 200 डी की कीमत 36.99 लाख रुपए (दोनों कीमतें एक्स शोरूम) रखी गई है। स्टाइल अपडेट के साथ इनमें कई फीचर्स भी अपडेट किए गए हैं। इनकी कीमत स्टैंडर्ड सीएलए 200 स्पोर्ट्स एंड सीएलए 200 डी स्पोर्ट्स ट्रिम से लगभग 1.8 लाख रुपए ज्यादा है। सीएलए 200 अर्बन स्पोर्ट में 2.0 लीटर पेट्रोल इंजन लगा है जो 184 बीएचपी का पावर और 300 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं डीजल वेरिएंट में लगा 2.2 लीटर इंजन 136 बीएचपी की पावर और 300 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। दोनों इंजन 7-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है। इस कार का मुकाबला ऑडी ए 3 से होगा।

# देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक!

दुनिया में अगर सबसे ज्यादा बाइक कहीं बिकती हैं तो उस देश का नाम भारत है। तो हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार आपको बता दें कि हीरो मोटोकॉर्प में सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक की सूची में शामिल हो गई है। देश में दिनों दिन स्पोर्ट बाइक्स का क्रेज बढ़ता जा रहा है, हालांकि जो आंकड़े सामने आए हैं वह बताते हैं कि अभी भी कम्यूटर बाइक्स का दबदबा कायम है। ऐसे में हम यहां उन बाइक्स के बारे में बता रहे हैं जिनकी सेल्स सबसे ज्यादा है और अगर आप नई बाइक लेने के बारे में सोच रहे हैं तो इन ऑप्शंस को चुन सकते हैं।

### 'हीरो एचएफ डीलक्स'

दूसरे स्थान पर हीरो मोटोकॉर्प का ही 'हीरो एचएफ डीलक्स' है, जिसकी 1,27,932 यूनिट्स की बिक्री हुई। 'हीरो एचएफ डीलक्स' की इंजन क्षमता 97.2 सीसी है। इसका अधिकतम पॉवर 8.24 बीएचपी (8,000 आरपीएम पर) है। इसकी दिल्ली में एक्स शो रूम कीमत 42,832 रुपये से शुरू होती है। कंपनी का दावा है कि यह बाइक 83 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है।

भारत में दुनिया में सबसे ज्यादा दोपहिया वाहनों की बिक्री होती है। आइए जानते हैं कि देश में किस बाइक की सबसे ज्यादा बिक्री हुई। देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक 'हीरो स्पलेंडर' है। लगभग 1,65,110 हीरो स्पलेंडर बाइक की बिक्री हुई। इसकी इंजन क्षमता 97.2 सीसी है। इसका अधिकतम पॉवर 8.24 बीएचपी (8000 आरपीएम पर) है और कंपनी 70 किलोमीटर प्रति लीटर माइलेज का दावा करती है। इसकी दिल्ली में एक्स शो रूम कीमत 48,520 रुपए से शुरू होती है।

### 'हीरो पैशन'

हीरो मोटोकॉर्प का 'हीरो पैशन' सातवें स्थान पर रही और कुल 40,168 वाहनों की बिक्री हुई। इस बाइक की इंजन क्षमता 97.2 सीसी है तथा इसका अधिकतम पॉवर 8.24 बीएचपी (8,000 आरपीएम पर) है। कंपनी का दावा है कि यह बाइक 84 किलोमीटर प्रति लीटर की माइलेज देती है।

### 'बजाज पल्सर'

बजाज ऑटो की बाइक 'बजाज पल्सर' इस सूची में छठे स्थान पर है और पिछले साल दिसंबर में इसकी कुल 40,879 यूनिट्स की बिक्री हुई। यह बाइक कई संस्करण में उपलब्ध है, जिसकी इंजन क्षमता 149.5 सीसी से शुरु होती है, जिसका अधिक पॉवर 14.85 बीएचपी है (9,000 आरपीएम पर)। कंपनी का दावा है कि यह बाइक 65 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है। दिल्ली में इसकी एक्स शो रूम कीमत 74,976 रुपये से शुरू होती है।

### 'बजाज प्लेटिना'

बजाज ऑटो की बाइक 'बजाज प्लेटिना' आठवें स्थान पर रही और पिछले साल दिसंबर में कुल 36,407 'बजाज प्लेटिना' की बिक्री हुई। कंपनी ने इसका नया मॉडल 'कॉम्फरटेक' लांच किया है, जिसकी दिल्ली में एक्स शो रूम कीमत 47,155 रुपये से शुरू होती है। इस बाइक में 102.0 सीसी का इंजन लगा है। इसकी अधिकतम पॉवर 7.80 बीएचपी (7,500 आरपीएम पर) है। कंपनी का दावा है कि यह बाइक 96.90 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है।

### 'टीवीएस अपाचे आरटीआर 160'

टीवीएस मोटर कंपनी की बाइक 'टीवीएस अपाचे आरटीआर 160' नौवें स्थान पर रही। पिछले साल दिसंबर में कुल 24,915 वाहनों की बिक्री हुई। इस बाइक की इंजन क्षमता 159.7 सीसी है तथा अधिकतम पॉवर 8500 आरपीएम पर 15.20 बीएचपी है। इसकी दिल्ली में एक्स शो रूम कीमत 75,878 रुपये से शुरू होती है। कंपनी के मुताबिक इसका माइलेज 48 किलोमीटर प्रति लीटर है।

### होंडा ड्रीम नियो' और 'होंडा ड्रीम युगा'

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) की 'ड्रीम' सीरीज के बाइक्स दसवें स्थान पर रहे और कुल 21,156 वाहनों की बिक्री हुई। 'ड्रीम' सीरीज के तहत 'होंडा ड्रीम नियो' और 'होंडा ड्रीम युगा' है, जिनकी दिल्ली में एक्स शो रूम कीमत क्रमश- 50,409 रुपये तथा 52,304 रुपये है। 'होंडा ड्रीम नियो' की इंजन क्षमता 109.2 सीसी है। इसका अधिकतम पॉवर 8.31 बीएचपी (7500 आरपीएम पर) है तथा कंपनी के मुताबिक इसका माइलेज 74 किलोमीटर प्रति लीटर है। 'होंडा ड्रीम युगा' की इंजन क्षमता 109.2 सीसी है। इसका अधिकतम पॉवर 8.25 बीएचपी (7500 आरपीएम पर) है। कंपनी का दावा है कि यह 72 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है।

### बजाज डिस्कवर

बजाज की यह बाइक टॉप थ्री में जगह बनाने में कामयाब रही। बजाज डिस्कवर को पहले 125सीसी की बाइक के तौर पर लॉन्च किया गया था। बाद में यह 100सीसी और 150 सीसी सेगमेंट में भी लॉन्च हुई।

### 'सीबी शाइन'

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) का 'सीबी शाइन' तीसरे नंबर पर रहा और कुल 67,011 वाहनों की बिक्री हुई। इस बाइक की इंजन क्षमता 124.7 सीसी है तथा इसका अधिकतम पॉवर 7500 आरपीएम पर 10.16 बीएचपी है। दिल्ली में इसकी एक्स शो रूम कीमत 56,147 रुपये से शुरू होती है। कंपनी ने इस बाइक का माइलेज 65 किलोमीटर प्रति लीटर होने का दावा किया है।

### 'हीरो ग्लैमर'

चौथे नंबर पर हीरो मोटोकॉर्प का 'हीरो ग्लैमर' रहा, जिसकी कुल 63,150 यूनिट्स की बिक्री हुई। इसकी इंजन क्षमता 124.7 सीसी है। इसकी अधिकतम क्षमता 7,000 आरपीएम पर 9.00 बीएचपी है। कंपनी के मुताबिक इसकी माइलेज 60 किलोमीटर प्रति लीटर है तथा दिल्ली में इसकी एक्स शो रूम कीमत 56,847 रुपये है।

### 'रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350'

रॉयल एनफील्ड की 'रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350' शीर्ष बाइक्स की सूची में पांचवें स्थान पर है और 2017 के दिसंबर में कुल 47,558 वाहनों की बिक्री हुई। शीर्ष की दस सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइकों में यह सबसे महंगी बाइक है और इसकी ऑन-रोड कीमत 1.5 लाख रुपये से अधिक है। इस बाइक की इंजन क्षमता 346.0 सीसी है तथा इसका अधिकतम पॉवर 5250 आरपीएम पर 19.80 बीएचपी है। कंपनी का दावा है कि यह बाइक 45 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है।

# प्रदूषण से बचने के लिए करें इन उपायों का पालन

आमतौर पर अक्तूबर और दिसंबर के दौरान हवा का बहाव कम रहने और नमी के कारण वातावरण के दूषित कण घुल जाते हैं लेकिन बीते दिनों राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पीएम 2.5 का स्तर तय मानकों को 16 बार पार कर गया। इसके चलते दिल्ली गैस चैम्बर जैसी हो गई है। आइए जानते हैं आखिर कैसे प्रदूषण फैलता है और इससे बचने के कौन-कौन से उपाय हैं।

### सड़कों की धूल और वाहनों का धुआं

कम तामपान और कोहरा मिलकर वातावरण में कंबल की तरह प्रदूषण की एक परत तैयार करते हैं। इस पर धूलकण इकट्ठे हो जाते हैं। सतह से हवा और धूल के कण प्रदूषण की सतह पर दबाव बनाती हैं लेकिन सतह को चीर नहीं पातीं और वापस वातावरण में घूमती रहती हैं। एक जानकारी के मुताबिक दिल्ली में हर दिन 4000 टन धूल-मलबा पैदा होता है। जबकि इसमें मात्र 10 फीसदी जमीन के अंदर जाता है। मलबा-धूल पीएम 2.5 और पीएम 10 प्रदूषण के बड़े वाहक हैं। इसके अलावा दिल्ली में कुल 89 लाख से अधिक वाहन पंजीकृत हैं। जबकि रात 10 बजे के बाद एक लाख से अधिक ट्रक राजधानी में प्रवेश करते हैं। ऐसे में ट्रैफिक अधिक से उनकी गति धीमी हो जाती है और ज्यादा धुआं निकलने से प्रदूषण फैलता है।

### ये तरीके जरूर अपनाएं

**हवा शुद्ध करने वाले पौधे :** एक अध्ययन के मुताबिक, वीपिंग फिग, पीस लिलि, फैलेमिंगो फ्लॉवर, एस्परागस फर्न और डेविल्स आईवी जैसे पौधे हवा को स्वच्छ करते हैं। घर में हवा को स्वच्छ करने के लिए दस वर्ग मीटर की दूरी पर पौधा लगाने चाहिए।

**बाहर सैर करने से बचें, बच्चों न निकले दें:** ऐसे में आप घर के बाहर जितना ज्यादा सक्रिय रहेंगे, उतना ही प्रदूषित हवा ग्रहण करेंगे। लिहाजा बाहर कसरत या फिर सैर करने से बचना चाहिए। कसरत से फायदा कम दूषित हवा से नुकसान ज्यादा होगा। इसके अलावा सर्दी के दौरान दिन के मुकाबले रात के समय तापमान ज्यादा ठंडा होता है। इस वजह से प्रदूषक तत्व हवा में ज्यादा होते हैं। ऐसे में रात में बाहर निकलने से बचना चाहिए। वहीं, एक वयस्क की तुलना में बच्चों के सांस लेने की दर ज्यादा होती है, लिहाजा बच्चे बड़ों की तुलना में ज्यादा प्रदूषक तत्व ग्रहण करते हैं। उनके शरीर में टॉक्सिन लंबे समय तक रहते हैं।

**अच्छे मास्क करें उपयोग:** दिल्ली के मौजूदा वातावरण में समय में सस्ते और सजिर्कल मास्क से राहत नहीं मिलेगी। बल्कि ऐसे मास्कों का उपयोग करना चाहिए, जिसमें कार्बन फिल्टर लेयर हो और चेहरे को अच्छे से ढके। इसके लिए 3एम, एन 95 और एन 99 मास्क बेहतर विकल्प हैं। साथ ही जॉन हॉपकिंस ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की ओर से किए गए अध्ययन में यह पाया गया है कि अगर तीन महीने तक ब्रोकली का नियमित तौर पर सेवन किया जाए तो यह फेफड़ों को स्वस्थ बनाती है।

सूरत। धनतेरस की रात में सूरत बाजार रंग बिरंगी लाइटिंग से रोशन दिखा। सूरत शहर की महानगर पालिका और सूरत की कपड़ा मार्केट रंग बिरंगी लाइटों से नहाई नजर आई।

# पुणा में व्यापारी से करोड़ों में पलायन

सूरत। परवत पाटिया इलाके स्थित रघुवीर टेक्सटाइल मार्केट के व्यापारी ने साड़ी पर ए ब्रॉयडरी जॉबवर्क करवाने के बाद 3.18 करोड़ रूपए नहीं चुकाकर दुकान को ताला मारकर फरार हो गए। पुणा पुलिस सूत्रों के अनुसार मोटा वराछा सनसिटी रो-हाउस निवासी किशोर छगन पटोलिया ए ब्रॉयडरी जॉबवर्क का कार्य कराते हैं। उनके पास से पूणा में रघुवीर मॉल में दुकान चलानेवाले सृष्टि रो-हाउस, कामरेज निवासी निलेश अरजण कलथिया , गोडादरा निवासी हीरामणी दीनदयाल शर्मा , भतपुरी और अशोक रामाणी ने खुद बड़े व्यापारी के तौर पर दी और शुरूआत में समय पर भुगतान कर विश्वास जीता। उसके बाद अगस्त 2016 को साड़ी पर ए ब्रॉयडरी जॉबवर्क कराया था। जिसकी मजदूरी के 3,18,36,502 रूपए हुए थे। जिसके सामने चेक दिया था। जो खाते में जमा करने पर रिटर्न हो गया। इस बीच दुकान को ताला मारकर फरार हो गया। पुलिस ने किशोर पटोलिया की शिकायत के आधार पर सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

## उल्टा चोर कोतवाल को डांटे, सूरत के व्यापारी को मुंबई के व्यापारी ने दी धमकी

सूरत। शहर के उधना दरवाजा वामा हाउस में ऑफिस धारक व्यापारी से मुंबई के चार व्यापारियों ने 12.42 लाख रूपए का कपड़े का माल खरीदने के बाद पेमेन्ट नहीं चुकाकर जान से मारने की धमकी दी थी।

प्राप्त जानकारी अनुसार रिंग रोड उधना दरवाजा वामा हाउस में चौथी मंजिल पर ऑफिस धारक पीपलोद कृष्णा प्लॉट सोसायटी निवासी जनक दिलीप धमणवाला के पास से जुलाई 2011 में मुंबई में विविध एटाएर के मालिक सांताक्रूज, मुंबइ निवासी मितेश पटेल, एम.डी. गारमेन्ट तथा खातुन गारमेन्ट के मालिक नूरमोह मद इदरीसी, बेजिक मोल्ड के मालिक बलवंत पुरोहित और बालचंद पास्त्रा ने 12,42,702 रूपए का कपड़े का माल खरीदा था।

# आरकेटी मार्केट के व्यापारी ने की लाखों की धोखाधड़ी

सूरत। शहर के रिंगरोड रोड स्थित राधा कृष्णा टेक्सटाइल मार्केट के व्यापारी ने ए ब्रॉयडरी जॉबवर्क कराने के बाद पेमेन्ट नहीं चुकाकर 23.95 लाख रूपए की धोखाधड़ी की। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिटीलाइट इन्द्रप्रस्थ एपार्टमेन्ट निवासी विपुलकुमार पवनकुमार जैन के पास रिंग रोड की राधाकृष्णा टेक्सटाइल मार्केट में उमापति टेक्सटाइल के नाम पर व्यवसाय करनेवाले उधना दागीनानगर, हैप्पी होम निवासी राजेन्द्र उर्फ अमित रामेश्वरजी चौहाण ने विनीत खेरवाल के माध्यम से ड्रेस मटीरियल्स पर ए ब्रॉयडरी जॉबवर्क कराया था। जिसकी मजदूरी के 23,95,455 रूपए नहीं चुकाकर दुकान बंद कर धोखाधड़ी की।

सूरत। धनतेरश के उपलक्ष्य में सोमवार को समचा मशीनों की सफाई एवं पुजा करते कारिगर।

## सरहद के पहरेदारों के साथ दिवाली मनाएंगे मुख्यमंत्री

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी बुधवार, 7 नवंबर को दिवाली का त्यौहार सरहद के पहरेदारों के बीच गुजरात के सीमावर्ती जिले बनासकांठा के नडाबेट में मनाएंगे। रूपाणी ने दिवाली का त्यौहार अपने घर-परिवार से दूर देश की सीमाओं पर मौजूद मातृभूमि की रक्षा करने वाले सुरक्षा जवानों के साथ मनाने का राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया है।

# रिंग रोड रघुवीर टेक्सटाइल मार्केट से 61.63 लाख की ठगी

सूरत। रिंगरोड पर स्थित रघुकुल टेक्सटाइल मार्केट के व्यापारी ने लेसपट्टी फिटींग कराने के साथ ए ब्रॉयडरी जॉबवर्क कराकर 61.63 लाख रूपए व्यापारियों को नहीं चुकाकर दुकान को ताला मारकर फरार हो गया।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों के अनुसार पुणागाम योगीचौक भावना पार्क सोसायटी निवासी अल्पेश दुला वैष्णव लैस लगाने का व्यवसाय करते हैं। उनके पास से जुलाई महीने में रिंग रोड रघुकुल मार्केट में रूद्रा टेक्सटाइल के नाम से व्यवसाय करनेवाले भाग्यलक्ष्मी सोसायटी, पिपलोद निवासी संजय सुरेन्द्र शर्मा , आसोपालव सोसायटी होजीवाल इण्डस्ट्रीज एस्टेट, सचीन निवासी हितेश कानजी वघासिया और गिरीश कानजी वघासिया द्वारा लैस वर्क के 2,11,229 रूपए तथा अन्य व्यापारियों के ए ब्रॉयडरी जॉबवर्क कराने के बाद उसके जॉबवर्क के 61,63,644 रूपए नहीं चुकाकर दुकान बंद कर फरार हो गए। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

सूरत। सोमवार को धनतेरश के अवसर पर मार्केट के व्यापारियों ने नए बही खाते खरीदते नजर आए।

# सूरत के आभूषण बाजार में अटल-मोदी की तस्वीर वाली सोने की सलाखें बनी आकर्षण का केंद्र

सूरत। गुजरात में हीरा सिटी के रूप में वि यात सूरत इन दिनों काफी चर्चा में है। धनतेरस से पहले गुजरात के सूरत में एक स्वर्ण आभूषण विक्रेता ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीरों वाली सोने और चांदी की सलाखें (बार) मार्केट में उतारी हैं। ये सलाखें ग्राहकों के बीच काफी पंसद की जा रही हैं। सूरत की एक आभूषणों की दुकान में मिल रहीं इन सलाखों पर अटल बिहारी वाजपेयी और पीएम मोदी की तस्वीरों को बेहद सफाई से उकेरा गया है। ये अनोखी सलाखें लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र बनी हुई हैं। इन सलाखों को खरीदने पहुंची एक ग्राहक ने कहा, हर दिवाली पर देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है और पीएम मोदी भी हमारे लिए भगवान की तरह हैं। इस साल मैं इन सलाखों को खरीदूंगी और मोदीजी की पूजा करूंगी। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है जब आभूषण विक्रेता ने सोने में पीएम मोदी को उतारा हो। इससे पहले रक्षाबंधन पर भी सूरत में एक जूलर ने पीएम मोदी और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की तस्वीरों वाली सोने और चांदी की राखियां बेची थीं।

सूरत। सोमवार को दिवाली से दो दिन पहले आनी वाली धनतेरश के दिन सोने चांदी के आभुषण खरीना शुभ माना जाता है इसी लिए धनतेरश को सोने और चांदी के आभुषण की खरीदी में काफी उछाल देखने को मिलता है। इसी लिए धनतेरश के अवसर पर सोने और चांदी की खरीदी करते लोग।

### *हड़ताल से किसानों की हालत बदतर*

# *त्यौहारों में भी मार्केट यार्डों की हड़ताल चौथे दिन भी बरकरार*

## *मार्केट याड के व्यापारी भावांतर की लड़ाई मुद्दे पर दृढ़, राज्य के अन्य मार्केट यार्डों को शामिल करने का विचार*

*अहमदाबाद। सौराष्ट्र में भावांतर योजना लागू करने के लिए चल रही सौराष्ट्र के २५ से ज्यादा मार्केट यार्डों में रविवार को लगातार चौथे दिन भी हड़ताल बरकरार रही। दीपावली के त्यौहारों में पहलीबार सौराष्ट्र के सभी मार्केट यार्डों में हड़ताल का सन्नाटा और कामकाज ठप होने का माहौल छाया रहा है। सौराष्ट्र के सभी मार्केट याड के व्यापारी भावांतर की लड़ाई मुद्दे पर दृढ़ होने की वजह से अब सरकार के विरूद्ध की लड़ाई में राज्य के अन्य मार्केट यार्डों को भी शामिल करने का विचार किया जा रहा है, इस मामले में आगामी दिनों में बैठकों का दौर आयोजित किया जाए ऐसी संभावना है। दूसरी तरफ दीपावली के समय मार्केट यार्डों की हड़ताल की वजह से किसानों की हालत बदतर हो चुकी है। रविवार को चौथे भी मार्केट यार्डों का सभी काम ठप रहा। जिसकी वजह से करोड़ों रुपये के व्यवहार अटक गये है। हड़ताल का के रविवार को चौथे दिन भी राज्य सरकार की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर मार्केट याड के व्यापारियों और एपीएमसी ट्रेडर्स के अग्रणियों की अपनी लड़ाई पर दृढ़ रहे है। जब तक मुख्यमंत्री भावांतर मुद्दे पर बातचीत नहीं करेंगे तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल चालू रखने की चेतावनी दी गई है तब लड़ाई को ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए सौराष्ट्र के अलावा राज्य के अन्य जिला के मार्केट यार्डों को हड़ताल और लड़ाई में शामिल करने का विचार किया जा रहा है। इसके लिए आगामी दिनों में महत्व की बैठकों का दौर आयोजित किया जाए ऐसी संभावना है।*

# वंथली में १२ दिन में और एक वाहन की टक्कर से तेंदुए की मौत

अहमदाबाद। गत २४ अक्टूबर को सुबह में वंथली के सोमनाथ नैशनल हाईवे पर अज्ञात वाहनचालक ने तेंदुए को चपेट में लेने से उसकी मौत हो गई थी यह घटना का विवाद अभी रूका नहीं है तब रविवार को वंथली के निकट दिलावरनगर के पास पेट्रोलपंप के निकट हाईवे पर सुबह में अज्ञात वाहन की टक्कर से और एक तेंदुए की मौत हो गई। सिर्फ १२ दिन में वाहन की टक्कर से एक के बाद एक यह दो तेंदुए की मौत को लेकर वन्यजीव प्रेमियों में शोक की लहर फैल गई। विशेष करके वन्य जीवों की सुरक्षा के विरूद्ध प्रश्न उठाकर उन्होंने अब सरकार के शासकों को यह वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए प्रभावी उपाय करने के लिए मांग की है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, २४ घंटे वाहनों का आवागमन जूनागढ़-सोमनाथ नैशनल हाईवे पर वंथली के दिलावरनगर के पास सुबह में अज्ञात वाहनचालक ने अपना वाहन अंधाधुंध तरीके से और लापरवाही से चलाकर रास्ते पर से जा रहा तेंदुए को मार डाला था।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com ( subject to surat jurisdiction)